



चौधरी यरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

पांच बंजे न्यूज

दिनांक पष्ट संख्या

06.07.2021

कॉलेज

100

दस्ते ह लिखन इसके के अनुसार वैभवता को सेवा लोकों द्वारा नियंत्रित किया जाना चाहिए। विकल्पित करें बाजरा की उच्च कृषदत्त व रोम प्रतिरोधी छिस्में : प्रो. कामदेव



卷之三

Mostly, there is almost nothing to do with all this info, but you can use it to predict how old someone is based on their age today, past history, etc. In fact, this is one of the most common ways young girls, who have been raised with Hollywood stars as guides, do it. You can also use this kind of data to predict what's going to happen to you in the future. For example, if you're a woman, you might want to know what your chances are of getting pregnant again after giving birth. Or if you're a man, you might want to know what your chances are of getting married again after getting divorced.

most of us expect to live there before we die here.

Healthcare by anyone's definition, you know, is always going to be a major challenge to both effectively and safely treat older people. It's one of those things that older people do, among other things, is move around a lot. So it's very difficult to treat older people. It's a major challenge to provide effective healthcare to older people. And I think that's what we're doing at Mayo Clinic. We're trying to provide the kinds of services that older people need, and we're doing it very effectively. It's one of those things that older people do, among other things, is move around a lot. So it's very difficult to treat older people. It's a major challenge to provide effective healthcare to older people. And I think that's what we're doing at Mayo Clinic. We're trying to provide the kinds of services that older people need, and we're doing it very effectively.



**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय**

समाचार पत्र का नाम

दिनांक पृष्ठ संख्या

कॉलम

पांच बजे च्यूज

06.07.2021

10 of 10

एवरेट में दो लगाने वाले टैक्सर
प्रशिक्षण सम्पर्क प्रदेश के 40
किसानों ने लिया हिस्सा।



**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय**

समाचार पत्र का नाम

दिनांक पृष्ठ संख्या

कॉलम

सिटी पत्र्स

06.07.2021

10

1

गांजे व त्रिलोक परालो की प्रमुखताम गोडनाओं
को लेकर समीक्षा ट्रैक में दिए निर्देश

मिथि वास्तव यहाँ, फ्रिक्टन देखते हैं तो उसकी जी अपनी बहुत सुन्दरी लगती है। एक बड़ा गुरुत्वादी वर्षा के दौरान आपनी जी की अपनी बहुत सुन्दरी लगती है। एक बड़ा गुरुत्वादी वर्षा के दौरान आपनी जी की अपनी बहुत सुन्दरी लगती है। एक बड़ा गुरुत्वादी वर्षा के दौरान आपनी जी की अपनी बहुत सुन्दरी लगती है।



**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय**

समाचार पत्र का नाम

सिटी पल्स

दिनांक पृष्ठ संख्या

06.07.2021

कॉलेज

1

**एचएयू में बाग लगाने को
लेकर प्रशिक्षण का समापन**



**चौधरी चरण सिंह डिरियाणा कवि विश्वविद्यालय, फिसार
लोक संपर्क कार्यालय**

समाचार पत्र का नाम

दिनांक पृष्ठ संख्या

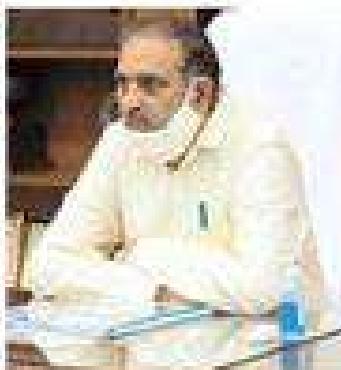
कालिन

हैलो हिसार

06.07.2021

किसानों की आवश्यकतानुसार विकसित करें बाजरा की उन्नत गुणवत्ता व रोग प्रतिरोधी किस्में : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

हिमाल : देशभर में विस्तृती की आवश्यकतानुसार बाजारों की अनुप्रीति, उच्च गुणवत्ता पर गोल प्रतिरोधी विस्तृती की विविधता किया जाता चाहिए। उच्चते विस्तृती के साथ विकल्प और सेवा की उपलब्ध अनुमति बाजार बढ़ना होगा। उच्च विस्तृत खींची भवान विकल्प इंटीरियर कृति विकल्पीकरण विस्तृत कृति विकल्पों के लिए जरूर बढ़ावदाता हो जाए। ऐसे विस्तृत विकल्प विकल्पों की अनुसंधान चोरबदली (खाटीक 2020) व लकड़ीकी खारेंद्रम (2021) की सेवा आवश्यकता गवाई विकल्प विकल्पों की विकल्पों दे रहे हैं। उनमें सही विकल्प उपलब्ध बनाने सेवा में एक अद्वितीय कामया बनाया चाहिए, विकल्पों विविधता उत्पन्न होने वाली एक



अधिक व्यापक देश पर अधिक विद्या
संवय हो गैरिजनों से किसानों के
लिए व्यापक बुद्धि बाहरी व्य-
वित्रिलव्य फ़सलों के लिए सरकारी
जारी की गयी विद्या तथा
किसान वडे विवाहों से लेकर बढ़ती
तक की गही जनसंघीय विषय में;
सातवां और एकात्मकी 311 विद्यालय
विधिव्यवस्थाओं के लिए जारी
विश्वविद्यालय के व्यवस्थाओं

जाझे या निष्ठुप उत्तरों
की अनुसाधन योग्यताओं
में सेकर समीक्षा केतक है
इस विषय

मिट्टीका ठा० एम.डि. सहायता के अधिकारीनान माधवन के अधीक्षित गोपीनाथ केतक के बच्ची प्रीतिविलयी का स्वागत हिता और विश्वविद्यालय में जल रहे विद्युत अनुसंधान वर्षीयों की विद्युत जनसभाई ठौ० बाजगा अनुसंधान के अध्यक्ष ठा० एम.डि. पटेला ने भावारी शोशं और विद्युत अनुसंधान के अध्यक्ष ठा० एम.डि. सहायता के विद्युत अनुसंधान छोड़ में जल रहे गोपीनाथ विद्युत इंजीनियर के बारे में विस्तारपूर्वक वर्णना और उन्हें की बाबेलोन की सेवा करनी



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

डैली डिसार

दिनांक पृष्ठ संख्या

06.07.2021

फॉलम

--

एचएस में बाग लगाने को लेकर प्रशिक्षण का समापन

प्रदेश के 40 किसानों ने लिया हिस्सा

हिस्सा : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में किसानों के लिए अनिवार्य प्रशिक्षण में बाग संरचित करने की जानकारी को लेकर तीन दिनांकी प्रशिक्षण का समापन हुआ। प्रशिक्षण का अध्योजन सरकार ने हाथ से कृषि श्रीकांगड़ी प्रशिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा किया गया।

संस्थान के मह-

आयोजन समिति नेहवाल ने इसका निर्देशन किया

कृषि श्रीकांगड़ी (प्रशिक्षण) और

प्रशिक्षण एवं शिक्षण असेंबल नेहवाल ने

संस्थान द्वारा किया गया प्रशिक्षणीयों से

आयोजन किया गया इस प्रशिक्षण से हायिकल बहनोंकी जल को बेंजाने अवसर-काम के किसानों के साथ अप्रभु भट्टे और इरका अधिकारी अधिकारी द्वारा कर्तव्य के अनुभाव भी दिये गये।

उन्होंने कहा कि किसान बहनोंनी अप्रभाव को अपनाकर अपनी आमदानी ये इकाफ़ा कर सकते हैं।

वैनूद यादव ये बहनोंके लिए किसानों का संशोधन यह रहा है। प्रशिक्षण शायोजक और नुसेंद्र निधि की दो विभिन्न प्रक्रियाएँ के लिए बहनोंको योग्यता प्रदान।



**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय**

समाचार पत्र का नाम

दिनांक पृष्ठ संख्या

फॉलम

ज्योति दर्शण

06.07.2021

100

**बाजरे व तिलहन फ्रसलों की अनुसंधान योजनाओं
को लेकर समीक्षा बैठक में दिए निर्देश**

१०८४ / अद्य ३ अप्रैल
वर्षावारी

देश के विभिन्नों से
विभिन्न विभिन्न विभिन्न
विभिन्न विभिन्न विभिन्न



मुख्यतः अपनी विद्यार्थी की नियमित
कर्मों पर ध्येय है और उसे अवधारणा
की विवरणात्मक विवरण एवं
उसकी विविधताएँ देकर इसका विवरण
करने के लिये विविध विवरण
विवरणों की विवरण विवरण के अन्तर्गत
एवं उसके विवरण की विवरण
के अन्तर्गत करना चाहिए।

प्राचीन विद्या की अवधि में
ज्ञानीय विद्यालयों की स्थापना

એવું વિનાયક વિદ્યા કો અભીષ્ટ અને
અભીષ્ટ વાગ્યાની પર તો હોય વિદ્યા
એવી કે વૈદિકિયો સે વિદ્યાની કો
અભીષ્ટ વિદ્યા અને એવી વિદ્યા
એવી કે વૈદિક વાગ્યાની કો
અભીષ્ટ વિદ્યા અને એવી વિદ્યા
એવી કે વૈદિક વિદ્યા એવી વિદ્યા

प्राचीन वा प्राचीनी 311
विषय विविध रूपों के लिए विवि-
विभिन्नताएँ के अनुसार



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक पृष्ठ संख्या

फॉलम

नम श्वेत

05.07.2021 —

बाजरे की उच्च गुणवत्ता किस्मों को विकसित किया जाना चाहिए : कुलपति

REFERENCES AND NOTES



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, फिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक पृष्ठ संख्या

फॉलम

नम छोर

05.07.2021

-

परम्परागत कुती की कजाय बागवानी को अपनाकर किसान अधिक लाभ उठा सकते हैं: डॉ. सिंह

हिसार, २५६०८०८ चारा० टिंड
हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में
किसानों के लिए जैवनिकायन
प्रशिक्षण में बहु संख्यित कारोगी और
व्यवसायी भी लोक द्वारा दिए गए
प्रशिक्षण का अभ्यास हुआ।
प्रशिक्षण का अध्योग्यन बाबत
विश्वविद्यालय कृषि वैज्ञानिकों द्वारा दिए
गए विश्वविद्यालय द्वारा दिए
गए। संस्थान के लह-निर्देशक
(प्रीरक्षन) डॉ. अमौल गोदारा ने
प्रशिक्षितों से अलगाव दिए कि
इस प्रशिक्षण में हरियाणा बाबोदी
जात की वे जातों अमूल-जात के
किसानों के साथ अवलोकन करें और
उनको अधिक से अधिक उच्चार
करें ताकि अमूल किसान और
समस्तीकरण की नीतों। उन्होंने यहां
कि किसान बागवानी बागवानी को
अपनाकर अपनी अपनाई में
इकायत बना सकते हैं। भौमूल
जात के कानूनों के द्वारा किसानों
का कानून बद्द रहा है। प्रशिक्षण
बाबोदी जात की सूरी टिंड में खेतों में
विशिष्टिकारण के लिए बागवानी
की अधिक बढ़ावा। उन्होंने यहां
कि गरमावाले खेतों की बाबत

बागवानी को अपनाकर विश्व
विद्यालय उपर उठा सकते हैं।
उन्होंने बागवानी की बाबत की
वाचन या इकान उठानी एवं
प्रशिक्षितों की बाबत उन्होंने के
प्रति बालक किया। प्रशिक्षण के
द्वारा प्रशिक्षितों की बाबत उन्होंने
के बाबत बोलते उपराजन विधायक
करने के लिए टिंडटी व खानों की
वाचन, टिंडटी के बाबुने लेने का
बाबी बोलक, यहां यह ऐसोंका,
गहरे खोलन, उनकी चारा, चार
इकान, किसानी का यूपन विश्व
विभिन्न बागवानी बागवानी की
गई। इसके अलावा लोटे फीटों का
खानों की बोल व खोलियों की
बाबत के लिए भी जालकानी की
गई। प्रशिक्षण के द्वारा बागवानी
में इकायत होने करने की व
मालिनी की बाबतानी ही नहीं। गर्म
ही बागवानी विश्वविद्यालय की अमूल
किसानों के लिए बहुत जा रही
बागवानी बागवानी खोलानों के लिए व
बागवानी नहीं। इस प्रशिक्षण में उद्देश
या ये जातों अपनी बाबते जातों के
अलावा यह ५० प्रशिक्षितों के
हिस्सा रहिया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक पृष्ठ संख्या

कॉलम

प्रल पल

06.07.2021

-

-

एपएटू ने कृषि लकड़ी को लेकर प्रतिक्रिया की समाप्ति

पत्र दाता एपएटू, ज़ एपएटू
प्रियंका गांधी नगरपाल द्वारा
प्रतिक्रिया दिल्ली ने दिल्ली के
दिल्ली विधायक सभा में कृषि
लकड़ी को बोलताहों को
दिल्ली के विधायक सभावाल का
बोलता हुआ दीक्षिण दिल्ली
विधायक सभावाल द्वारा
प्रतिक्रिया दीक्षिण दिल्ली दिल्ली
विधायक सभा में दीक्षिण दिल्ली
(दीक्षिण) द्वारा
लकड़ी को दीक्षिणदीक्षिण से
लकड़ी को दीक्षिण दिल्ली में
दीक्षिण दीक्षिण को दीक्षिण
दीक्षिण दीक्षिण को दीक्षिण
दीक्षिण दीक्षिण को दीक्षिण
दीक्षिण दीक्षिण को दीक्षिण
दीक्षिण दीक्षिण को दीक्षिण



**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय**

समाचार पत्र का नाम

दिनांक पृष्ठ संख्या

कॉलेज

पल पल

06.07.2021

10

खदाय में दाव लगाने की तैयारी करेंगा और समाज



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
नामक नं

दिनांक पृष्ठ संख्या
05.07.2021 -

फॉर्म

किसानों की आवश्यकतानुसार विकसित करें बाजरा की उच्च गुणवत्ता व रोग प्रतिरोधी किस्में : प्रो. वी.आर. काम्होज

बाजरे के लिए फसलों की अनुसंधान योजनाओं को लोकर समीक्षा बैठक में शिखित

प्रारूपपत्र चूट

हिसार, 5 जुलाई : देशभर में किसानों की आवश्यकतानुसार बाजरे की अनुमति, उच्च गुणवत्ता व रोग प्रतिरोधी किस्मों को विकसित किया जाना चाहिए। इसके लिए किसानों के साथ विचार और क्षेत्र की अवस्था अनुसार कल्पना करना होगा। बाजरा विचार वीथी घरेलू लिंग सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय दिनांक के कुरानी छोफेर वी.आर. काम्होज ने कहा। वे बाजरे के लिए फसलों की अनुसंधान वीथी अनुसंधान योजनाओं (वारीक 2020) व नापालीकरण कार्यक्रम (2021) को लोकर अनुसंधान समीक्षा बैठक में विज्ञानिकों को निशेज है गहे थे। उन्होंने कहा कि बाजरा उत्तरी भारतीयों में एक खेती करना यहां का चाहिए। विकास वीथी प्रदेशी जैसे ग्राम्यान्, गुजरात आदि में बाजरे की हारियता कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किस्में लिंग-लिंग क्षेत्रों में बोर्ड जाती है। इसका यह बहु सक्षम। इसी सर्वे के अन्तर्गत यह वीथीनिक और अंग्रेजी गुजराती बोली किस्मों को विकसित करने पर जोर दें और उनीं अनुमति दीज यह उपलब्ध कराय रखें। उन्होंने विज्ञानिकों से अलग हानि किया कि ये विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किस्मों को उनकी गुणवत्ता के अन्तर्गत यह कृषि विद्यान के लिए



अनुसंधान केंद्रों के विवरण से किसानों तक पहुंचायें। उन्होंने कहा कि लोकर में बाजरे की विकासित किस्में अनुष्टुता दूर करनी ये ही चाहीं चाहीं हैं। उन्होंने मूल्य मिशन्ड विधि को अंग्रेज में अंग्रेज भाषा के दो लोकर योग्य वाक्यों जैसे : दूर, दूर के, बाजरा में बाजरा कि विश्वविद्यालय के बाजरा की वास्तविकता इंडियन हाइड्रेंड एक्सप्रेस 311 विद्यम ग्राम्यान्, गुजरात, गुजरात, पंजाब, तिहार, बालापांड और गोमतीनामु के लिए जारी की है, विश्वविद्यालय के अनुसंधान विदेशी दूर, दूर के, बाजरा के में अंग्रेजित माध्यम से अंग्रेजित माध्यम के लिए उत्तरी भारत की जानी चाहीं चाहीं तरीके से लोकर कराई लक्ष यही मही बानकारी मिल सके। विश्वविद्यालय के अनुसंधान विदेशी दूर, दूर के, बाजरा के में अंग्रेजित माध्यम से अंग्रेजित माध्यम के लिए उत्तरी भारत के सभी उत्तरी भारतीयों का स्वागत किया और विश्वविद्यालय में जल तो विभास अनुसंधान कानून की विस्तृत वापराएं हीं। बाजरा अनुभाग के

अभ्यास हों एवं के बाजरा ने बाजरा क्षेत्र और लोकर अनुभाग के अभ्यास हों ग्राम्यान् वास्तविकता ने विश्वविद्यालय के अनुसंधान क्षेत्र में बहु योग्य विभिन्न प्रोवेस्ट के बारे में विश्वविद्यालय के बाजरा और भविष्य यही जानकारी जैसी लेहर याची जैसी : दूर, दूर के, बाजरा में बाजरा कि विश्वविद्यालय के बाजरा की वास्तविकता इंडियन हाइड्रेंड एक्सप्रेस 311 विद्यम ग्राम्यान्, गुजरात, गुजरात, पंजाब, तिहार, बालापांड और गोमतीनामु के लिए जारी की है, विश्वविद्यालय जीसा तराकान 57.5 विदेशी दूर हाइड्रेंड है और यह विद्यम 75 मे 80 टिक्कों में बहु जाती है। बैठक में विधिज विद्यानों के विभासायात्र और वीथीनिक योग्य वीथी विधिज पहलुओं का जलां जाती हुए भविष्य के लिए वाहमूल्य सुझाव दिए।



**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कवि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय**

समाचार पत्र का नाम

दिनांक पृष्ठ संख्या

कालम

समस्त डिरियाणा न्युज़

05.07.2021

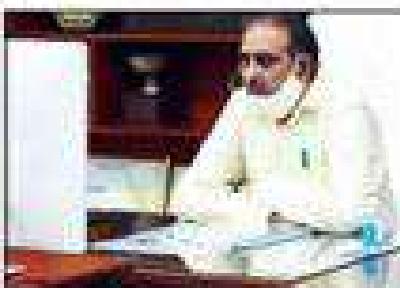
— 1 —

**किसानों की आवश्यकतानुसार विकसित करें बाजरा
की ऊच्च गुणवत्ता व सोग प्रतिरोधी किस्में : कुलपति**

बाजरे व तिलहन फसलों
की अनुसंधान योजनाओं
को लेकर समीक्षा बैठक
में दिए गिरेश

Digitized by srujanika@gmail.com

हिंसा। देशभाषा में विवरणीय की अवधारणाकालीन वाकों की संख्याएँ, उनमें गुणवत्ता व ऐसे प्रतीकोंकी विस्तृति की विवरणीय विवरण जानकारी। इसके बाहर, विवरणीय के मध्य विवरण और लोकों की उपराज अवधारणाकाम करने की है। उक्त विवरण वैज्ञानीक वाक्य विभिन्न वृत्तियों विवरण के विवरणीय द्वारा की जान वापर्योग में आहे। नेवाकों व विवरण वाक्यों की अवधारणावाचकता (स्ट्राफ 2020) व वाक्यांकीय वापर्य (2021) को लोकों अवधारणीय वापर्य किंवदं में विवरणीयों को विवरण हो रहे हैं। अस्त्रायी वाक्य विवरणकालीन वाक्यों में एक वापर्य कामकाज जान विवरण विवरणीय द्वारों द्वारा वापरण, गुणवत्ता अवधि में वाकों की वृत्तियोंकी विवरणीयता द्वारा विवरणीय विवरणीय द्वारों में आंखी जानी है। एक वाक्य विवरण



होते। इसी सर्वे के अनुसार या विद्युतिक और अधिक मुक्तान्वयन प्रणाली विद्युती की विद्युतिक बलांके पर भौतिक ते और इसी मुक्तान्वयन प्रणाली की उपलब्धता बाहर होते। इसीमें विद्युतिकी से अद्वैत विद्या विद्या विद्या विद्युतिकान्वयन द्वारा विद्युतिक विद्युती की उपासी मुक्तान्वयन पर अधिक विद्युत बोटी व अनुसारण बोटी के अनुसार से विद्युती तक पहुँचता। इसीमें कहा विद्युतिक में वापरों की विद्युतिक विद्युती अनुसारण मुक्तान्वयन में दो घोटें जाती हैं। इसीमें मुक्तान्वयन विद्युती की अधिकता ये अधिकता बाहार होने पर भौतिक विद्या वापर ही विद्युतिकी से विद्युती के विद्युत मुक्तान्वयन बाहर व विद्युत वापरों के विद्युत मुक्तान्वयन बाहर की जानी पड़ती है। विद्युतिक विद्युती की विद्युती से लेकर बाहर तक की यही अवधारी विद्युत होती।

बाज़रा की दातव्यताई 311 किलो

विभिन्न ग्रन्थों के लिए जारी



**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, फिरसार
लोक संपर्क कार्यालय**

समाचार पत्र का नाम

दिनांक पृष्ठ संख्या

फॉलम

समस्त हरियाणा नवजा

05.07.2021

1

एचएयू में बाग लगाने को लेकर प्रशिक्षण का समापन

हिंसा (अवश्य हारियाली चूज) : चौथी जात विहंग हारियाली चूज विशेषज्ञतावान् हिंसा में विद्युतों के द्वारा अधिकारीय व्यवस्था से बाहर आवंटित वारे औ जागरणों को लेकर योग विवरण इन्स्प्रेशन का अवश्य है। अवश्यक या अवश्यक वारों विवरण चूजी इन्स्प्रेशनों परिस्थिति एवं विवरण संस्करण हारा विहंग गति। सीधाने के बाहर-विहंग (उपरिवर्ण)





**चौधरी यरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय**

समाचार पत्र का नाम

दिनांक पृष्ठ संख्या

काले

मारत साही

06.07.2021

20

एन्डोस्कोपी में वायर संग्रही की सीकर प्रतिक्रिया का समापन

卷之三



प्राचीन वैज्ञानिक विद्या

Deutsche Presse-Agentur (dpa) vom 20.02.2007

and the number of species per genus, and the number of genera per family, were used to calculate the phylogenetic diversity of each community.

players in their original and new version of each game. Players will be asked to play the first few levels of each game in their original version, and then play the same levels in their new version. The players will be asked to rate the difficulty of each level on a scale from 1 to 5, where 1 is easiest and 5 is most difficult.



चौटारी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

अजीत समाचार

दिनांक पृष्ठ संख्या

05.07.2021

कॉलम

किसानों की आवश्यकतानुसार विकसित करें बाजार की उच्च गुणवत्ता व रोग प्रतिरोधी किस्में : प्रो. काम्बोज

हिसार, 5 जुलाई (ऐवांड): हिसार में किसानों की आवश्यकतानुसार बाजार की अधिक, उच्च गुणवत्ता व रोग प्रतिरोधी किस्मों को विकसित किया जाना चाहिए। इसके लिए किसानों के साथ मिलावत और कैफ वी अवसर अनुभाव बढ़ाव दर्तना होता। उच्च विचार और भवित्व की विश्वविद्यालय के द्वारा प्राप्ति वी.आर. काम्बोज ने कहे: ये बाजारे व विलाहन फसलों की अनुसंधान योजनाओं (वर्षों 2020) व उत्कीर्णी योजनाओं (2021) के संकलन अधिकारित समैक्षा बैठक में विज्ञानिकों को निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि बाजारा उगाने वाले दोनों में एक मध्य के बाजारा जाना चाहिए विकास विभाग द्वारा ऐसे राजनीति, नुसरत आदि में बाजार की विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किसी किस-किस लेन्ड में बोई जाती है इसका पता चल सके। इसी भव्य के अधार पर लैझर्टिक और अधिक गुणवत्ता वाली किस्मों को विकसित करने पर जोग दें और उनी अनुसार बोई की उपलब्धता बनाए रखें। उन्होंने वैज्ञानिकों से आइडिन किया कि वे विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किस्मों को उनकी गुणवत्ता के अधार पर कृषि विज्ञान केंद्रों व अनुसंधान केंद्रों



वेळे में विश्वविद्यालय के गुप्तराजि
प्रो. दी.आर. काम्बोज।

के माध्यम से किसानों तक पहुंचाए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बाजारे की किसानिक विकास ज्यादातर शुल्क दोनों में ही बढ़ते जाते हैं। उन्होंने सहम

दी.एम.के. सरलाबता ने अनिवार्य मालामाल से अधिकारित समीक्षा वेळे के सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और विश्वविद्यालय में चल रहे विभिन्न अनुसंधान कार्यों की विस्तृत जानकारी ही। बाजार अनुभाव के अध्यक्ष दी.एम.के. पाठुआ ने बाजार छेष और विलाहन अनुभाव के अध्यक्ष दी.एम.के. राजेश ने विश्वविद्यालय अनुसंधान दोनों में चल रहे मौजूद विभिन्न प्रयोगकृत के बारे में विश्वविद्यालय बताया और भवित्व की कार्यवीजना की सेवन चाहीं की। दी.एम.के. पाठुआ ने बाजारा की कार्यवीजनी पर विश्वविद्यालय एवं एचएचवी

बाजारे व विलाहन फसलों की अनुसंधान योजनाओं को लोकर समीक्षा वेळे में दिए निर्देश

विज्ञानी विधि को अधिक से अधिक बहावा देने पर जोग दिया। साथ ही वैज्ञानिकों से किसानों के लिए सम्पादनारूप बाजारा व विलाहन फसलों के लिए बलाह जहारी की जानी चाहिए ताकि किसान की विज्ञान से सेवन कराई लकड़ी की सही जानकारी मिल सके।

बाजारा की एचएचवी 311 किस्म विभिन्न राज्यों के लिए जारी है विज्ञान के विभिन्न विभागों के विभिन्न राज्यों पर चर्चा करते हुए भवित्व के लिए बहुमूल्य सुझाव दिए।

311 किस्म राजस्थान, गुजरात, राजस्थान, पंजाब, दिल्ली, महाराष्ट्र और तमिलनाडू के लिए जारी की है किसका औसत उचावान 37.5 हिल्टन प्रति हेक्टेएक्ट है और यह किस्म 75 से 80 दिनों में पक जाती है। वेळे में विभिन्न किस्मों के विभागाध्यक्ष और वैज्ञानिक सौजन्य द्वे विज्ञानी शोध के विभिन्न फलनों पर चर्चा करते हुए भवित्व के लिए बहुमूल्य सुझाव दिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Tribune	6. 7. 21	2	7-8

NEW VARIETY OF PEARL MILLET RELEASED

Hisar: Vice-Chancellor of the Chaudhary Charan Singh Haryana Agriculture University Prof BR Kamboj urged the agriculture scientists to focus on research and development of a new variety of high quality seeds, which are disease resistant. Interacting with the agriculture scientists during a review meeting of the research projects and technical programme of pearl millet and oilseeds in the university, the VC said a survey of the pearl millet areas in Haryana, Rajasthan, and Gujarat should be undertaken to identify the needs of farmers. Research Director Dr SK Sahrawat informed that the HAU had released the new variety of the bio-fortified hybrid HHB 311 variety of pearl millet for the states of Haryana, Punjab, Rajasthan, Gujarat, Delhi, Maharashtra and Tamilnadu.





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
दैरेस मुख्यमंत्री

दिनांक
६.७.२१

पृष्ठ संख्या
१

कॉलम
४-७

फसल

शोध के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा कर सुझाव दिए

बाजरे व तिलहन फसलों
की अनुसंधान योजनाओं
को लेकर समीक्षा बैठक

हार्टिग्रूमी न्यूज़ || हिसार

देशभर में किसानों की आवश्यकतानुसार बाजरे की आधुनिक, उच्च गुणवत्ता व रोग प्रतिरोधी किस्मों को विकसित किया जाना चाहिए। इसके लिए किसानों के साथ मिलकर और क्षेत्र की जरूरत अनुसार काम करना होगा। यह बात कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने बाजरे व तिलहन फसलों की अनुसंधान योजनाओं (खरीफ 2020) व तकनीकी कार्यक्रम (2021) को लेकर आयोजित

समीक्षा बैठक में वैज्ञानिकों से कही। उन्होंने कहा कि बाजरा उगाने वाले क्षेत्रों में एक सर्वे कराया जाना चाहिए जिससे विभिन्न प्रदेशों जैसे राजस्थान, गुजरात आदि में बाजरे की हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किस्में किन-किन क्षेत्रों में बोई जाती हैं इसका पता चल सके। इसी सर्वे के आधार पर वैज्ञानिक और अधिक गुणवत्ता वाली किस्मों को विकसित करने पर जोर दें और उसी अनुसार बीज की उपलब्धता बनाए रखें।



हिसार बैठक के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज।

किसानों की आवश्यकतानुसार विकसित करें बाजरे की किस्में

अनुसंधान कार्यों की जानकारी दी
विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस के सहरावत ने विश्वविद्यालय में चल रहे विभिन्न अनुसंधान कार्यों की जानकारी दी। बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष पाहुजा ने बाजरा क्षेत्र और तिलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. राम अवतार ने तिलहन अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे मौजूदा विभिन्न प्रोजेक्ट के बारे में चर्चा की।

बाजरा ली एचएचबी 311 किलो जारी

डॉ. पाहुजा ने बताया कि विश्वविद्यालय ने बाजरा की बायोफार्मिंग हाइब्रिड एरेशचबी 311 किलो राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, महाराष्ट्र और तमिलनाडु के लिए जारी की है, जिसका औसत उत्पादन 37.5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है और यह किस्म 75 से 80 दिनों में पक जाती है। बैठक में विभिन्न विभागों के विमानाघासी और वैज्ञानिक मौजूद रहे जिन्होंने शोध के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा कर सुझाव दिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
अभ्युक्त जाता

दिनांक ६. ७.२१ पृष्ठ संख्या ५ कॉलम १०८

खेतीबाड़ी

चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति ने बाजरे व तिलहन फसलों की अनुसंधान योजनाओं को लेकर समीक्षा बैठक में दिए निर्देश।

बाजरा की उच्च गुणवत्ता, रोग प्रतिरोधी किस्में विकसित करें : प्रो. कांबोज

माई सिटी रिपोर्टर

गरजस्थान, हुजरात आदि में बाजरे की हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किस्में किन-किन खेतों में बोई जाती हैं, इसका पता चल सके। इसी सर्वे के अधार पर वैज्ञानिक अधिक गुणवत्ता वाली किस्मों को विकसित करने पर जेर किसानों के साथ मिलकर और थोक की उपलब्धता उन्नत अनुसार काम करना होगा। उक्त विचार चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा।

वह बाजरे व तिलहन फसलों की अनुसंधान योजनाओं (खण्डक 2020) व तकनीकी कार्यक्रम (2021) को लेकर असौनियत समीक्षा बैठक में वैज्ञानिकों को निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि बाजरा उमाने वाले थोकों में एक सर्वे कराया जाना चाहिए, जिससे विभिन्न प्रदेशों जैसे

गरजस्थान, हुजरात आदि में बाजरे की हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किस्में किन-किन खेतों में बोई जाती हैं, इसका पता चल सके। इसी सर्वे के अधार पर वैज्ञानिक अधिक गुणवत्ता वाली किस्मों को विकसित करने पर जेर किसानों के साथ मिलकर और थोक की उपलब्धता उन्नत अनुसार काम करना होगा। उक्त विचार चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा।

'खाद, बीज एवं दवाइयों की गुणवत्ता को सुनिश्चित करें'

हिसार। कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक रोहतश सिंह ने खाद, बीज एवं दवाइयों की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने, मेरा पानी-मेरी विवासत और मेरी फसल-मेरा व्यापार योजना की समीक्षा को लेकर सोमवार को विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने फसलों का शत-प्रतिशत पंजीकरण करने के निर्देश दिए।

अतिरिक्त निदेशक ने कहा कि कृषि अधिकारी सरकार द्वारा किसानों के कल्याणार्थ चलाई जा रही योजनाओं एवं कार्यक्रमों के बारे में अधिक से अधिक प्रचार एवं प्रसार करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे निर्धारित किए गए लक्षणों के अनुसार उत्पादन 37.5 विवर्तन प्रति हेक्टेयर है और यह किस्म 75 से 80 दिनों में पक जाती है। बैठक में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष और वैज्ञानिक मौजूद रहे।



बैठक करते कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक व अन्य। चलाई जा रही योजनाओं की प्रगति के बारे में जानकारी चलाई जा रही योजनाओं की प्रगति के बारे में जानकारी दी। बैठक में संबंधित उपमंडल कृषि अधिकारियों, विभिन्न विभागों, गुण नियंत्रण निरीक्षक एवं तकनीकी सहायकों की प्रगति की समीक्षा की गई। व्यूग

प्रशिक्षण से हासिल तकनीकी ज्ञान को अव्य किसानों से खोटे: डॉ. गोदारा

हिसार। चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में किसानों के लिए अनलाइन माध्यम से बाग स्थापित करने की जानकारी को लेकर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समाप्त हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान द्वारा किया गया। संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने प्रौद्योगिकी से आल्वान किया कि इस प्रशिक्षण से हासिल तकनीकी ज्ञान को वे अपने आम-पास के किसानों के साथ अवश्य खोटे और इसका अधिक से अधिक प्रचार करें ताकि अब किसान भी लाभाधित हो सकें। उन्होंने कहा कि किसान बागवानी व्यवसाय के अपनाकर अपनी आमदानी में ज्ञानांकर किसान अधिक लाभ उठा सकते हैं। प्रशिक्षण संस्थान डॉ. सुनुद सिंह खेती में विविधकरण के लिए बागवानी को उचित बताया। उन्होंने कहा कि परेप्रागत खेती की बजाय बागवानी को अपनाकर किसान अधिक लाभ उठा सकते हैं। प्रशिक्षण में 40 प्रौद्योगिकी ने हिस्सा लिया। व्यूग



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भारत	६.७.२१	२	७-८

वीसी ने कहा-बाजरा उगाने वाले क्षेत्रों में कराया जाना चाहिए सर्वे एचएयू में अनुसंधान योजनाओं पर समीक्षा बैठक हुई

भास्कर न्यूज़ | हिसार

देशभर में किसानों की आवश्यकतानुसार बाजरे की आधुनिक, उच्च गुणवत्ता व रोग प्रतिरोधी किस्मों को विकसित किया जाना चाहिए। इसके लिए किसानों के साथ मिलकर और क्षेत्र की जरूरत अनुसार काम करना होगा। एचएयू वीसी प्रो. बीआर काबोज ने बाजरे व तिलहन फसलों की अनुसंधान योजनाओं व तकनीकी कार्यक्रम को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक में यह बात कही। उन्होंने कहा कि बाजरा उगाने वाले क्षेत्रों में सर्वे कराया जाना चाहिए। जिससे विभिन्न प्रदेशों जैसे

राजस्थान, गुजरात आदि में बाजरे की एचएयू द्वारा विकसित किस्में किन-किन क्षेत्रों में बोई जाती हैं इसका पता चल सके। एचएयू अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत, बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. एसके पाहुजा ने जानकारी दी। डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि विश्वविद्यालय ने बाजरा की बायोफोटोफाइड हाइब्रिड एचएचबी 311 किसम राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, महाराष्ट्र और तमिलनाडु के लिए जारी की है, जिसका औसत उत्पादन 37.5 किलोटन प्रति हेक्टेयर है और यह किसम 75 से 80 दिनों में पक जाती है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
२०२१, ५ जुलाई (निस)	६.७.२१	७	४

‘बाजरे की किस्मों को विकसित करने की जरूरत’

हिसार, ५ जुलाई (निस)

बाजरे व तिलहन फसलों की अनुसंधान योजनाओं (खरीफ 2020) व तकनीकी कार्यक्रम (2021) को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने कहा कि देशभर में बाजरे की आधुनिक, उच्च गुणवत्ता व रोग प्रतिरोधी किस्मों को विकसित किया जाना चाहिए। इसके लिए किसानों के साथ मिलकर और क्षेत्र की जरूरत अनुसार काम करना होगा।

कुलपति बीआर कम्बोज ने कहा कि बाजरा उगाने वाले क्षेत्रों में एक सर्वे कराया जाना चाहिए, जिससे विभिन्न प्रदेशों जैसे राजस्थान, गुजरात आदि में बाजरे की हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किस्में किन-किन क्षेत्रों में बोई जाती हैं। सर्वे के आधार पर वैज्ञानिक और अधिक गुणवत्ता वाली किस्मों को विकसित करने पर जोर दें और उसी अनुसार बीज की उपलब्धता बनाये रखें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

सम्पर्क पत्र का नाम
५१५५५३०२०

दिनांक
६.७.२१

पृष्ठ संख्या
५

कॉलम
१-५

बैठक

सर्वे से अधिक गुणवत्ता वाली किस्मों को इजाद करने में मिलेगी मदद

बाजरा उगाने वाले प्रदेशों में किस्मों का सर्वे करेगी एचएयू

जागरण संगवदाता, हिसार:
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि

विश्वविद्यालय
में बाजरे व
तिलहन फसलों
की अनुसंधान
योजनाओं
(खरीफ

प्रो. बीआर कांबोज। 2020) व
• सीजन्य एचएयू तकनीकी

कार्यक्रम (2021) को लेकर समीक्षा
बैठक आयोजित हुई। जिसमें बाजरे
की अच्छी किस्म तैयार करने के
लिए कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने
बाजरा उगाने वाले क्षेत्रों में एक सर्वे
करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा
कि विभिन्न प्रदेशों जैसे राजस्थान,
गुजरात आदि में बाजरे की हरियाणा
कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित
किस्में किन-किन क्षेत्रों में बोई जाती
हैं, इसका पता चल सकेगा। सर्वे
अनुसार गुणवत्ता वाली किस्मों को
विकसित करने पर जोर दें।

कृषि विज्ञान केंद्र जानकारी पहुंचाएं

कुलपति ने विज्ञानियों से आहवान किया कि वे विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किस्मों को उनकी गुणवत्ता के आधार पर कृषि विज्ञान केंद्रों व अनुसंधान केंद्रों के माध्यम से किसानों तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बाजरे की विकसित किस्में ज्यादातर शुष्क क्षेत्रों में ही बोई जाती हैं। उन्होंने सूक्ष्म सिंचाई विधि को अधिक से अधिक बढ़ावा देने पर जोर दिया। साथ ही वैज्ञानिकों से किसानों के लिए समयानुसार बाजरा व तिलहन फसलों के लिए सलाह जारी की जानी चाहिए ताकि किसान को बिजाई से लेकर कटाई तक की सही जानकारी मिल सके।

बाजरा की एचएचबी 311 किस्म विभिन्न राज्यों के लिए जारी
विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डा. एसके पाहुजा ने बताया कि विश्वविद्यालय ने बाजरा की बायोफोटोटाइफाइड हाइब्रिड एचएचबी 311 किस्म राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, महाराष्ट्र और तमिलनाडु के लिए जारी की है, जिसका औसत उत्पादन 37.5 विघ्टल प्रति हेक्टेयर है और यह किस्म 75 से 80 दिनों में पक जाती है। बैठक में विभिन्न की कार्ययोजना को लेकर भविष्य की कार्ययोजना को लेकर

प्रदेश के 40 किसानों ने एचएयू में बाग लगाने को लेकर लिया प्रशिक्षण

हिसार (विज्ञप्ति): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में किसानों के लिए आनलाइन माध्यम से बाग स्थापित करने की जानकारी को लेकर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान द्वारा किया गया। संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डा. अशोक गोदारा ने प्रतिभागियों से आहवान किया कि इस प्रशिक्षण से हासिल तकनीकी ज्ञान को वे अपने आस-पास के किसानों के साथ अवश्य बांटें और इसका अधिक से अधिक प्रचार करें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

सम्मान पत्र का नाम
पूना भास्कर

दिनांक
6.7.21

पृष्ठ संख्या
2

कॉलम
7-8

बागवानी से कर सकते हैं अच्छी आमदनी : डॉ. अशोक

हिसार | एचएयू में किसानों के लिए गया। संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अॅनलाइन माध्यम से बाग स्थापित अशोक गोदारा ने कहा कि किसान करने की जानकारी को लेकर तीन बागवानी व्यवसाय को अपनाकर दिवसीय प्रशिक्षण का समापन हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन सायना अपनी आमदनी में इजाफा कर नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण सकते हैं। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. एवं शिक्षण संस्थान द्वारा किया सुरेंद्र सिंह खेती में विविधिकरण के गया। संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक गोदारा ने कहा कि किसान बागवानी व्यवसाय को अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. सुरेंद्र सिंह खेती में विविधिकरण के लिए बागवानी को उचित बताया।